M.A. (Part—II) Examination

HINDI

(Adhunik Kavya)

Paper—I

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 100

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **तीन** की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए :— 10×3=30

(अ) सखि, नीलनभस्सर में उतरा
यह हंस अहा ! तरता तरता,
अब तारक-मौक्तिक शेष नहीं,
निकला जिनको चरता-चरता।
अपने हिम-बिन्दु बचे तब भी,
चलता उनको धरता धरता,
गढ़ जायँ न कण्टक भूतल के,
कर डाल रहा डरता डरता !

(आ) इतना न चमत्कृत हो बाले ! अपने मन का उपकार करो,
मैं एक पकड़ हूँ जो कहती ठहरो कुछ सोच विचार करो।
अंबर-चुम्बी हिम शृंगों से कलरव कोलाहल साथ लिये;
विद्युत की प्राणमयी धारा जिसमें उन्माद लिए।
मंगल कुंकुम की श्री जिसमें निखरी हो ऊषा की लाली;
भोला सुहाग इठलाता हो ऐसी हो जिसमें हरियाली।

(इ) क्या नहीं कर रहे तुम अनर्थ ! — सोचो मन में;
क्या दी आज्ञा ऐसी कुछ श्रीरघुनन्दन ने ?
तुम सेवक हो, छोड़कर धर्म कर रहे कार्य —
क्या असम्भाव्य हो यह राघव के लिए धार्य ?''
कपि हुए नम्र, क्षण में माता छवि हुई लीन,
उतरे धीरे-धीरे गह प्रभु-पद हुए दीन।

(ई) स्वर्ण, सुख, श्री, सौरभ में भोर

विश्व को जब देती है बोर;

विहग कुल की कल-कंठ हिलोर

मिला देती भू-नभ के छोर;

न जाने, अलस पलक दल कौन

खोल देता तब मेरे मौन !

(उ) चुप हो गया प्रियवद।

सभा भी मौन हो रही।

वाद्य उठा साधक ने गोद रख लिया।

धीरे-धीरे झुक उस पर, तारों पर मस्तक टेक दिया।

सभा चकित थी — अरे प्रियवंद क्या सोता है ?

केशकम्बली अथवा होकर पराभूत।

झुक गया वाद्य पर ?

वीणा सचमुच क्या है असाध्य ?

(ऊ) तुंग हिमालय के कंधों पर

छोटी बड़ी कई झीलें है

उनके श्यामल नील सलिल में

समतल देशों में आ-आकर

पावस की उमस से आकुल

तिक्त-मधुर बिसतंतु खोजते

हंसों को तिरते देखा है।

बादल को घिरते देखा है।

2. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए :— 2×15=30

(1) कामायनी में प्रतिपादित दार्शनिक विचारधारा को सोदाहरण समझाइये।

(2) उर्मिला के विरह-वर्णन पर विचार कीजिए।

(3) सुमित्रानन्दन पंत के काव्य में चित्रित प्राकृतिक-सौंदर्य को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(4) नागार्जुन के भावसौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

3. निम्नलिखित लघूत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लगभग **15—20 पंक्तियों** में दीजिए :— 5×4=20

(1) हरिऔध की भाषा-शैली की विशेषताएं लिखिए।

(2) श्रीधर पाठक के काव्य में प्राकृतिक-सुषमा का वर्णन कीजिए।

(3) डॉ. धर्मवीर भारती के काव्य में आधुनिक भावबोध पर प्रकाश डालिए।

(4) गिरिजा कुमार माथुर के काव्य का प्रमुख वैशिष्ट्य क्या है ?

(5) डॉ. जगदीश गुप्त के व्यक्तित्व का परिचय दीजिए।

(6) महादेवी वर्मा की वेदनाभूति का सोदाहरण चित्रण कीजिए।

(7) रत्नाकर के उद्धवशतक में चित्रित वियोग शृंगार की विशेषताएं लिखिए।

(8) बच्चन के प्रेमभाव की प्रमुख विशेषताएं बताइये।

(9) दुष्यंत कुमार की गज़लों में युग चेतना की अभिव्यक्ति किस प्रकार हुई है ?

(10) शमशेर बहादुर सिंह के काव्य में चित्रित प्रेमतत्व का विवेचन कीजिए।

4. निम्नलिखित अतिलघूत्तरी/वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशानुसार दीजिए :— 20×1=20

(1) 'प्रिय प्रवास' की नायिका का नाम _____ है।

(2) 'निशा निमंत्रण' के रचनाकार हैं _____ ।

(i) हरिऔध (ii) बच्चन (iii) निराला

(3) 'संधिनी' महादेवी वर्मा का काव्य संग्रह है। (सत्य/असत्य)

(4) 'तार सप्तक' का सम्पादन किसने किया है ?

(i) अज्ञेय (ii) रामविलास शर्मा (iii) गिरजा कुमार माथुर

(5) 'साये में धूप' किस विधा की रचना है ?

(6) 'नीरजा' के रचनाकार का नाम बताइये।

(7) 'चुभते चौपदे' के रचनाकार का नाम है _____ ।

(i) हरिऔध (ii) प्रसाद (iii) पंत

(8) हरिवंश राय बच्चन को किस वाद का प्रवर्तक माना जाता है ?

(9) धर्मवीर भारती की सुप्रसिद्ध रचना है _____ ।

(i) कान्हाप्रिया (ii) कृष्णाप्रिया (iii) कनुप्रिया

(10) डॉ. जगदीश गुप्त _____ के अग्रगण्य कवि हैं।

(i) छायावाद (ii) नई कविता (iii) प्रयोगवाद

(11) प्रसाद जी का परिवार किस नाम से प्रसिद्ध था ?

(i) मुंशी (ii) भारती (iii) सुघनी साहू

(12) गिरिजाकुमार माथुर की तार सप्तक के सात कवियों में गणना की गई है।

(सत्य/असत्य)

(13) 'दरख्तों के साये में धूप' के रचयिता का नाम क्या है ?

(14) 'सात गीत वर्ष' के रचनाकार हैं ___ ।

(i) दुष्यंत कुमार (ii) धर्मवीर भारती (iii) गिरिजा कुमार माथुर

(15) 'चुका भी हूँ मैं' के रचनाकार का नाम क्या है ?

(16) 'हजार-हजार बाहों वाली' के रचनाकार है ।

(i) निराला (ii) नागार्जुन (iii) दुष्यंत कुमार

(17) सुमित्रानंदनपंत का जन्म ग्राम कौनसा है ?

(18) 'चाँद' पत्रिका का सम्पादन किसने किया था ?

(19) 'महाप्राण' के नाम से किस कवि को सम्बोधित किया जाता है ?

(20) वियोगी होगा पहला कवि

आह से उपजा होगा गान।

उमड़कर आँखों से चुपचाप

बही होगी कविता अनजान।।

उपर्युक्त पंक्तियाँ किस कवि की हैं ?

(i) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला (ii) सुमित्रानंदन पंत (iii) डॉ रामकुमार वर्मा